(i) Normally, no industrial licence is required for setting up a fertiliser. industry.

(ii) Duty free import of capital goods for setting up of new plants/ modernisation of existing units.

(iii) Deemed export benefits to indigenous suppliers of goods to fertiliser projects provided such supplies are made under the procedure of international competitive bidding.

(iv) Duty free import of fertiliser raw materials and intermediates.

(v) Concession on decontrolled phosphatic and potassic fertilisers to promote the balanced use of nutrients.

क्षेत्रीय अनुसंधान प्रयोगशालाओं की उपलब्धियां

*73.**श्री ओंकार सिंह लखावत**: क्या विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री यह बताने की कृपा करगें कि:

(क) इस समय केन्द्र सरकार के अधीन कितनी क्षेत्रीय अनुसंधान प्रयोगशालंए/केन्द्र/संस्थांए कार्य कर रही है तथा उनमें कितने वैज्ञानिक कार्यरत हैं,

(ख) हाल के वर्ष के दौरान उक्त केन्द्रों की उल्लेखनीय उपलब्धियां क्या रही है, और

(ग) सरकार इन केन्द्रों पर कितनें धनराशि खर्च कर रही है ?

मानव संसाधन विकास मंत्री तथा विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री (डा. मुरली मनोहर जोशी) : (क) से (ग) केन्द्रीय सरकार की लगभग 400 परीक्षण प्रयोगशालांए/केन्द्र/संस्थाएं हैं। अन्य बातों के साथ-साथ ये प्रयोगशालाएं अखिल भारतीय स्तर पर परीक्षण सहित अनुसंधान,डिजाइन और विकास कार्य करती है। इन प्रयोगशालाओं/केन्द्रों/संस्थाओं में पूर्णाकालिक आधार पर कार्यरत लगभग 50,000 कार्मिक मुख्य रूप से अनुसंधान, डिजाइन विकास तथा परीक्षण क्रियाकलापों में लगे हुए हैं । इन प्रयोगशालाओं/केन्द्रो/संस्थाओं का वर्ष 1996-97 में योजना व्यय लगभग 2900 करोड़ रूपए था । महत्वपूर्ण उपलब्धियां विवरण में दी गई भी हैं।

विवरण

संलग्रक

आठवीं पंचवर्षीय योजना की महत्वपूर्ण उलब्धियां परमाणु ऊर्जा विभाग (डीएई)

विकसित:

- कूलैन्ट चेनलों की सफाई एंव मरम्मत के दौरान निरीक्षण के लि हैवी वाटर रिएक्टर्स बीएआरसीआईएस प्रणाली
- प्रोटोटाइप फास्ट रिएक्टर संकल्पनात्मक डिजाइन
- विलवणीकरण संयंत्र मल्टी स्टेज फ्लैश (एमएससफ), रिवर्स ओसमोसिस (आरओ) और तो टैम्प्रेचर वैक्युम एवैपोरेशन (एलटीबीई)
- जायेन्ट मीटर वेब रेडियो टैलीस्कोप (जीएमआरटी)
- मूंग और मूंगफली की अधिक पैदावार देने वाली, रोग प्रतिरोधी किस्में
- प्याज और आलू संरक्षण किरणन प्रक्रम

अंतरिक्ष विभाग (डीओएस)

छोडे गए

- इन्सैट-2ए, 2बी, 3सी (जुलाई 1992, जुलाई 1993,दिसम्बर 1995)
- आईआरएस-पी2 और पी3(1994 और 1996)
- आईआरएस-1सी (दिसम्बर 1995)

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी)

समर्थित:

- एक कण और एक लहर के रूप में प्रकाश के समकालिक संरूपण पर प्रायोगिक प्रदर्शन
- नोवल लिक्विड क्रिस्टेलाइन फेज का प्रर्दशन करने वाले योगिकों की नवीन श्रृंखला
- चूर्ण धातु विज्ञान और नई सामग्रियों के लिए इंटरनेशनल एडवांस रिसर्च सेंटर
- लेजर्स के उपयोग से क्षयरोग और अन्य रोगों का निदान

- निम्नवत् के लिए प्रचलित मिशनः

चीनी उत्पादन प्रौद्योगिकियां

उन्नत सम्मिश्रण

उड़न राख निपटान और उपयोगीकरण

शुरू किए गए मौसम विज्ञान संबधी कार्यक्रम (आईएमजी)

- ऊपरी हवाओं और प्रचण्ड तूफानों के पूर्वानुमान में उन्नत परिशुद्धता के लिए राडार डाटा नेटवर्क का आधुनिकीकरण

- 401 मीटर हर्टज रेडियो थियोडोलाइट्स सहित ऊपर एयर नेटवर्क का आधुनिकीकरण

- पूर्वानुमान नेटवर्क को अधिक दक्ष बनाने के लिए साइबर-2000 कम्प्यूटरों का अधिष्ठापन

वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग (डीएसआईआर)

निम्नवत् का उत्प्रेरित विकास :

- सीएनसी टूल्स और कटर मांइडर

- ईंधन दक्ष डीजल एलसीवी ईंजन

- 25 कि.वा. के सौर फोटो वोल्टीय विद्युत संयंत्र

एनआरडीसी ने निम्नवत् के लिए लाइनसेंसीकरण प्रक्रिया को सुगम बनाया

- हार्ट वाल्व

- साइक्लोस्पोरिन-ए

- चावल की भूसी के कणों के बोर्ड

- कैल्सियम ग्लुकोनेट

- उड़न राख की ईटें

- ब्रेडिंग अनुप्रयोगों के लिए कार्बन तन्तु

- ग्लाइकोल आधारित आटोमोबाइल कूलैन्ट

- विशिष्ट बिलस्टर पैकेजिंग मशीनें

सीईएल ने निम्नवत् में योगदान दिया

-सोलर सेलों की क्षमता 10.4 प्रतिशत से बढ़ाकर 13.5 प्रतिशत कर दी गई

- 17 प्रतिशत क्षमता के अल्ट्राहाई एफिशैंसी सोलर सैलों के लिए प्रायोगिक संयंत्र की स्थापना

- नए एसपीवी सफेंस सैन्ट्रीफ्यूगल पम्प

- उच्च दाब वाले इन्वर्टर

- एसपीवी एजूकेशनल किए

- हाई एफिशैंसी फेराइट्स

सीएसआईआर द्वारा विकसित

-सभी दो सीटे वाले कम्पोज़िट विमानो का डिजाइन और निर्माण

- रिफाइनरियों, पैट्रोरसायन तथा रसायन उद्योग के लिए नवीन उठोरक

- प्रतिनिषेचन, जैववर्धक और स्मरणीय वर्धक के लिए नवीन औषधियां

- 30 औषधियों और 4 औषध मध्यस्थों के लाइसेंस के लिए नवीन लागत प्रभावी प्रकम

- खनन की लांग वाल और वाइड स्टाल पद्वतियां

- ताड़ तेल प्रक्रमण प्रौद्योगिकियां

- 100 कि. ग्रा.प्रतिघंटा क्षमता वाली यंत्रीकृत और 40 कि.ग्रा प्रतिघंटा क्षमता वाली हस्तवालित दाल मिलें

- कृषि एंव प्रक्रमण प्रौद्योगिकियां : चिकित्सीय एंव संगधीय पादपों की किस्म

- चर्म : मार्जक प्रक्रमण प्रौद्योगियों

जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी) निम्नवत् के विकास को सहायता प्रदान की :

निम्नवत् के विकास को सहायता प्रदान की :

- क्षयरोग, हैपेटाइटिस ए और सी, अमीबीयसिस, लीशमेनिया, गर्भावस्था, बच्चों में स्ट्रेप्टोकोकल संक्रमण और एचआईवी-। और ॥ के लिए निदान किटें

- मोनोक्लोनल एम-13 बोक्टीरियोफेज

निम्न् के लिए मिशन बोर्ड परियोजनाएं :

जैवउर्वरक

पीड़कनाशी का जैविक नियंत्रण

जलकृषि

डीएनए फिंगरप्रिटिंग एंड डायप्रोस्टिक्स(सीडीएफडी) सेंटर की स्थापना

महासागर विकास विभाग (डीओडी)

- अंटार्कटिका के लिए आयोजित खोज यात्रांए (छः)

- बहुधात्विक नोड्यूल्स के लिए 1,50,000 वर्ग कि. मी. के समग्र अग्रणी राष्ट्र क्षेत्र का सर्वेक्षण

- चेन्नई में नेशनल इंस्टीटयूट ऑब ओसियन टैक्रोलोजी (एनआईओटी) की स्थापना

- मुछआरों की सुरक्षा को बढ़ाने के लिए चार दक्षिणी राज्यों में नौ स्थानों पर संचार सुविधाओं की स्थापना की गई

कोयला मंत्रालय

समर्थित :

- वोर्सिल सैपेरेटर का औद्योगिक अनुप्रयोग -

- धातुकर्म उद्योग के लिए अति स्वच्छ कोयले का विकास

- शार्ट वाल खनन की शुरूआत

खान मंत्रालय

समर्थित् :

-औद्योगिक अनुप्रयोगों के लिए कॉलम फ्लोटेशन प्रौद्योगिकी

- खनन उद्योग के लिए ऊर्जा दक्ष सामग्री

विद्युत मंत्रालय

समर्थित :

- स्टेटकोन डायनेमिक वोल्टेज रिस्टोरर (डीवीआर) का विकास और परीक्षण

Gauge conversion on silchar-Lumding Section

*74. SHRI KARNENDU BHATTACHARJEE: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether there is a full-fledged office of Additional Chief Engineer (Engg.) at Silchar for execution of gauge conversion works of Silchar-Lumding section of N.F. Railway;

(b) if so, whether the said office has been provided full strength of manpower to execute the work;

(c) what are the reasons for not inviting tenders for carrying out the work and whether the survey report by RITES had already been submitted in part;

(d) by when the work is likely to be started and gauge conversion of Lumding-Silchar Section of NF Railway be completed; and

(e) which is the nodal agency to monitor the conversion work?

THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI NITISH KUMAR): (a) No, Sir. There is no post of Addl. Chief Engineer in Railways at present such a designation existed before fourth Pay Commission. However, there is a full fledged office of Dy. Chief Engineer/Construction at Silchar for execution of gauge conversion work of Silchar-Lumding section.

(b) Yes, Sir. There is an office of Dy. Chief Engineer/Construction Lumding also headed by Dy. Chief Engineer/ Construction with his Executives and Sub-ordinates for executing the work.

(c) The survey work for a total length of 170 km excluding 30 km stretch between Badarpur—Silchar has been entrusted to M/s RITES. Part estimate covering the length of 20 km from Lumding end has been submitted by M/s RITES, recently about a month back which is under scrutiny. Three contracts for earthwork and minor bridges in 30 km stretch between Badarpur and Silchar have already been awarded and work is in progress. Work in first 20 km from Lumding would also be taken up shortly for which preliminary arrangements are being made.

(d) The work has already been started and would be completed in the coming years as per availability of resources.

(c) The nodal agency for monitoring the progress of the work is the General Manager/Construction, NF Railway, Maligaon, Guwahati.

रेल परियोजनाओं के निर्माण कार्य का रूकना

*75. **श्री कपिल सिम्ब्ल:**

श्री बलवन्त सिंह समूवालिया :

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि: